कस्तूरबाग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
एम.ए. (ग्रामीण विकास एवं प्रसार) पाठ्यक्रम योजना 2022–23
सेमेस्टर प्रणाली
पाठ्यक्रम एवं परीक्षा योजना

क्र.	विषय	सैद्धांतिक अंक		प्रायोगिक अंक		योग
	तृतीय सेमेस्टर	आंतरिक	बाह्य	आंतरिक	बाह्य	कुल
1.	भारत में ग्रामीण विकास	40	60	–	–	100
2	विकास के लिये नियोजन	40	60	–	–	100
3	ग्रामीण एवं कृषि अर्थशास्त्र	40	60	–	–	100
4	महिला सशक्तिकरण एवं लैंगिक विकास	40	60	–	–	100
	इंटर्नशिप	–	–	–	–	100
	कुल योग –	**160**	**240**	–	–	**500**
	चतुर्थ सेमेस्टर					
1.	सामुदायिक पोषण	20	30	20	30	100
2	गैर सरकारी संगठन एवं ग्रामीण विकास	40	60	–	–	100
3	ग्रामीण वित्त एवं उद्यमिता विकास	40	60	–	–	100
4	ग्रामीण विकास के लिये प्रौद्योगिकी	40	60	–	–	100
	कॉम्प्रेंसिव वाय–वा (मौखिक बाह्य परीक्षा)	–	–	–	–	100
	कुल योग –	**140**	**210**	**20**	**30**	**500**

परीक्षा प्रभारी
क.रू.इं.

प्रभारी प्राचार्य
कस्तूरबा ग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट
कस्तूरबा ग्राम, इन्दौर

Autonomous Institute
Kasturba Gandhi National
Memorial Trust, K Gram

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम इन्दौर
2022–23
Elective Descipline Specific

कक्षा – एम.ए. IVth Sem.
विषय – सामुदायिक पोषण
(Community Nutrition)

कुल कालखंड–64
प्रायोगिक – 32
सैद्धांतिक – 32

उद्देश्य :–

1. छात्राओं को सामुदायिक पोषण की अवधारणा एवं कार्य क्षेत्र से परिचित करवाना
2. छात्राओं को न्यूनतम खर्च में भोज्य गुणवत्ता में सुधार लाने के उपायों की जानकारी होगी।
3. छात्राओं को सामुदायिक पोषणिक समस्याओं के उपचार एवं रोकथाम करने में सहायता मिलेगी।

इकाई प्रथम – सामुदायिक पोषण की अवधारणा :

1. सामुदायिक पोषण – अर्थ, परिभाषा एवं महत्व
2. समुदाय की पोषणिक समस्याएं, जनस्वास्थ्य में सुधार हेतु प्रयास
3. भारत में सामुदायिक स्वास्थ्य से संबंधित पोषणिक तथा अपोषणिक तत्व– खाद्य उत्पादन, वितरण, जनसंख्या वृद्धि, आर्थिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक तत्व। (08 कालखंड)

इकाई द्वितीय – भारत में पोषणिक समस्याएं और उनके निवारण के लिये चलाये जा रहे कार्यकम :

1. प्रोटीन ऊर्जा कुपोषण
2. विटामिन "ए" की न्यूनता (06 कालखंड)

इकाई तृतीय – भारत में पोषणिक समस्याएं और उनके निवारण के लिये चलाये जा रहे कार्यकम :

1. आयरन न्यूनता
2. आयोडीन न्यूनता (06 कालखंड)

इकाई चतुर्थ – पोषण स्तर को प्रभावित करने वाले कारक :

1. खाद्य पदार्थों में मिलावट
2. औद्योगिकीकरण का दुष्प्रभाव
3. भोज्य पदार्थो में कीटनाशकों के अवशेष के दुष्परिणाम (06 कालखंड)

गोविन्द नागर
विभागाध्यक्ष, प्रसार विभाग
कस्तूरबाग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट
कस्तूरबाग्राम, इन्दौर (म.प्र.)

इकाई पंचम – पोषण स्तर में वृद्धि हेतु उपाय :

1. खमीरीकरण
2. अंकुरण
3. भोज्य विस्थापक
4. भोजन की दृढ़ता एवं सम्पन्नता

प्रायोगिक कार्य – **(32 कालखंड)**

- प्रोटीन तथा उर्जा में धनी व्यंजनों का निर्माण
- विटामिन 'ए', आयरन तथा कैल्शियम में धनी व्यंजनों का निर्माण
- सम्पूरक भोज्य पदार्थों का निर्माण
- अंगीकृत गॉव के 1 से 5 वर्ष के बच्चों के पोषण स्तर का अध्ययन
- ग्रामीण किशोरियों में हीमोग्लोबिन स्तर का परीक्षण
- ग्रामीण तथा झुग्गी बस्तियों में कम कीमत के पोषण आहार का विधि प्रदर्शन

संदर्भ ग्रंथ –

1 कुलकर्णी ज्योति, हुसैन मुनीरा : सामान्य एवं उपचारात्मक पोषण, शिवा प्रकाशन, 2008
2. जैन, कानिनी : डायटेटिक्स, शिवा प्रकाशन, इन्दौर, 2008
3. कुलकर्णी, ज्योति : सामान्य एवं उपचारात्मक आहार, शिवा प्रकाशन, 2005
4. Swaminathan, M : Essentials of Food & Nutrition, Vol. I & II , Ganesh & Company, Madras, 1978
5. Shukla, P.K. : Nutritional Problems of India, 1982
6. Gopalan, C. : Recent Trends in Nutrition Oxford University Press, 1993.
7. Measuring Change in Nutritional Status, World Health Organisation. Geneva, 1983
8. Swaminathan M : Principal of Nutrition & Dietetics, Ed. 2, Banglore, Bappco, 1986.
9. Jelliffe & Jelliffe : Assessment of Nutritional Status in the Community, 1989.
10. Gibson, R: Principles of Nutritional Assement, Oxford University, 1990.

कस्तूरबाग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट,कस्तूरबाग्राम,इन्दौर

Core Course-I 20221-23

कक्षा – एम.ए. IV[th] Sem.

विषय – गैर सरकारी संगठन एवं ग्रामीण विकास
(Non-Government Organization & Rural Development)

Total 96 Credits

उद्देश्य –

1. छात्राएं गैर सरकारी संगठन से परिचित होंगी।
2. ग्रामीण विकास में गैर सरकारी संगठन की भूमिका को समझेंगी।
3. छात्राएं प्रसार कार्य में कार्यकम के कियान्वयन, अवलोकन एवं मूल्यांकन को समझेंगी।
4. छात्राएं गैर सरकारी संगठन के प्रबंधन का ज्ञान प्राप्त करेगी।

इकाई प्रथम – गैर सरकारी संगठन का परिचय :

1. गैर सरकारी संगठन (NGO) – अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएं
2. गैर सरकारी संगठन – क्षेत्र एवं भूमिका
4. स्वयंसेवी संगठन – अर्थ एवं परिभाषा
5. गैर सरकारी संगठन एवं स्वयंसेवी संगठन में अंतर **(20 Credits)**

इकाई द्वितीय – गैर सरकारी संगठनों की संरचना :

1. गैर सरकारी संगठन की एक ट्रस्ट के रूप में संरचना
2. गैर सरकारी संगठन की एक सोसायटी के रूप में संरचना
3. गैर सरकारी संगठन की एक कम्पनी के रूप में संरचना
5. म.प्र. सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट – 1973 **(20 Credits)**

इकाई तृतीय – गैर सरकारी संगठन का प्रबंधन :

1. प्रबंधन सिद्धांतों की प्रासंगिकता
2. उद्देश्य व मिशन विवरण
3. योजना
4. संचालन – मार्केटिंग, कर्मचारियों की नियुक्ति, धन की व्यवस्था, प्राजेक्ट पर कार्यान्वयन
5. नियंत्रण – फीडबैक, बजट, कार्यपालन पर नियंत्रण **(20 Credits)**

इकाई चतुर्थ – गैर सरकारी संगठन एवं ग्रामीण विकास :

1. ग्रामीण विकास में गैर सरकारी संगठन की भूमिका
2. निगमित सामाजिक ज़िम्मेदारी (Corporate Social Responsibility)
3. सामाजिक क्रिया – अवधारणा, उद्देश्य एवं तकनीक
4. सामाजिक क्रिया में गैर सरकारी संगठन की भूमिका **(16 Credits)**

अविरत 2

विभागाध्यक्ष, प्रसार विभाग
कस्तूरबा ग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट
कस्तूरबा ग्राम, इन्दौर (म.प्र.)

इकाई पंचम – अनुदान अभिकरण एवं स्वैच्छिक प्रयास :

1. जन किया प्रगति एवं प्रौद्योगिकी परिषद (CAPART)
2. केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड
3. राज्य समाज कल्याण बोर्ड
4. स्वैच्छिक प्रयास प्रोत्साहित करने में सरकार की भूमिका
5. स्वैच्छिक संगठनों की समस्याएं
6. स्वैच्छिक प्रयासों का सुदृढीकरण **(20 Credits)**

संदर्भ पुस्तकें एवं पत्रिकाएं–

1. एन.जी.ओ. हैण्डबुक, नाभि पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, 2012
2. Chandra Snehlata : Non Governmental Organisations – Structure, Relevance and function, Kanishka Publishers, New Delhi.
3. Dharamarjan Shivani : NGOs as Prime Movers, Kanishka Publishers, New Delhi
4. Formation and Management of a Trust, Nabhi's Publication, New Delhi
5. CAPART Manual
6. पाण्डेय ओजस्कर एवं तेजस्कर : समाजकार्य, भारत बुक सेन्टर, लखनऊ, 2010
7. योजना, प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, पटियाला हाउस, नई दिल्ली।
8. कुरूक्षेत्र, प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, पटियाला हाउस, नई दिल्ली।

.....

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर

// पाठ्यक्रम 2022–23 //

Coure Course - II

कक्षा – एम.ए. चतुर्थ सेम.

विषय – ग्रामीण वित्त एवं उद्यमिता विकास

(Rural Credit & Enterprencursip Development)

कुल कालखंड. 80

उद्देश्य :–

1. छात्राओं को ग्रामीण अर्थव्यवस्था से परिचित करवाना।
2. छात्राओं को साख की पूर्ति एवं वित्तीय संस्थाओं से अवगत करवाना।
3. छात्राओं को उद्यमिता की समझ एवं विभिन्न अनुदान योजनाओं से अवगत करवाना।

इकाई प्रथम – ग्रामीण अर्थव्यवस्था :– (20 कालखण्ड)

1. ग्रामीण अर्थव्यवस्था – अतीत से वर्तमान तक
2. ग्रामीण वित्त एवं ग्रामीण विकास
3. ग्रामीण अर्थव्यवस्था में वित्तीय आवश्यकताएं
4. सूक्ष्म वित्त का गरीबी निवारण में योगदान

इकाई द्वितीय – साख की पूर्ति – (16 कालखण्ड)

1. ग्रामीण वित्त के स्त्रोत – संस्थागत एवं असंस्थागत
2. ऋण के प्रकार
3. ग्रामीण वित्त में स्वयं सहायता समूह की भूमिका
4. भूमि विकास बैंक का योगदान

इकाई तृतीय – वित्तीय संस्थाएं – (20 कालखण्ड)

1. सहकारी बैंक
2. राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)
3. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
4. गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थाएं

इकाई चतुर्थ – उद्यमशीलता की समझ और लघु उद्यमिता – (20 कालखण्ड)

1. लघु उद्यमशीलता की धारणा, अर्थ, परिभाषा
2. गरीबों और महिलाओं के उद्योगों की विशेषताएं
3. लघु उद्यम को जन्माने की अवस्थाएं
4. उद्यमी का चक्र

इकाई पंचम – विभिन्न अनुदान योजनाएं – (20 कालखण्ड)

1. विभिन्न अनुदान योजनाएं – लागत पूँजी, ब्याज अनुदान, प्रवेश कर से छूट, महिला उद्यमियों को प्राप्त विशेष प्रेरणाएं
2. म.प्र. आदिवासी वित्त एवं विकास निगम की योजनाएं – म.प्र. अल्पावसायी निगम की योजनाएं, म.प्र. पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वित्त विकास निगम की योजनाएं

संदर्भ ग्रंथ:–

1. अग्रवाल एवं भारती : उद्यमिता विकास, शिवा प्रकाशन, इंदौर
2. मिश्रा पी. : ग्रामीण अर्थशास्त्र, प्रिन्टवैल पब्लिशर्स, जयपुर
3. सिंह एवं मिश्रा : भारतीय बैंकिंग प्रणाली, साहित्य भवन पब्लिकेशन,आगरा
4. माथुर बी.एल. : ग्रामीण अर्थशास्त्र, अर्जुन पब्लिकेशन हाउस
5. अग्रवाल एवं भारती उद्यमिता विकास, शिवा प्रकाशन इंदौर

कस्तूरबाग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट,कस्तूरबाग्राम,इन्दौर

Elective Discipline Centric : 2022–23

कक्षा – एम.ए. IVth Sem

विषय – ग्रामीण विकास के लिए प्रौद्योगिकी

(Technology for Rural Development)

Total Credits – 64

उद्देश्य –

1. छात्राएं ग्रामीण विकास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का महत्व समझेंगी।
2. छात्राएं ग्रामीण विकास में उपयुक्त उन्नत तकनीकों का ज्ञान प्राप्त करेंगी।

इकाई प्रथम – प्रौद्योगिकी मिशन एवं ग्रामीण विकास :

1. ग्रामीण विकास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का महत्व
2. ग्रामीण विकास के लिए विभिन्न प्रौद्योगिकी मिशन
3. वाटरशेड मेनेजमेंट – परिभाषा, आवश्यकता, उद्देश्य एवं लाभ
4. वर्षा जल संग्रहण – आवश्यकता, लाभ एवं तकनीक

(14 Credits)

इकाई द्वितीय – ग्रामीण आवास के लिए तकनीकी :

1. ग्रामीण आवास – अर्थ, परिभाषा एवं वर्तमान स्थिति एवं समस्याएं
2. ग्रामीण आवास के लिए सस्ती तकनीकें – निर्माण सामग्री, जलरोधक, अग्निशामक
3. ग्रामीण आवास के लिए शासकीय कार्यक्रम

(12 Credits)

इकाई तृतीय – ग्रामीण पेयजल आपूर्ति एवं स्वच्छता :

1. पेयजल – घरेलू शुद्धिकरण विधियां
2. अपशिष्ट जल निपटान – सोख्ता गड्ढा, किचन गार्डन
3. मानवीय अपशिष्ट निपटान – सस्ते स्वच्छ शौचालय
4. पशु अपशिष्ट निपटान – गोबर गैस संयंत्र, कम्पोस्ट पिट

(12 Credits)

अविरत...2

विभागाध्यक्ष, प्रसार विभाग
कस्तूरबाग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट
कस्तूरबाग्राम, इन्दौर (म.प्र.)

इकाई चतुर्थ – कृषि तकनीकी :

1. जैविक खेती – अर्थ एवं महत्व
2. सिंचाई – ड्रिप सिंचाई, फव्वारा सिंचाई विधि (स्प्रिंगलर मैथड)
3. जैविक उर्वरक एवं खाद – नाडेप कम्पोस्ट, वर्मी कम्पोस्ट एवं
4. जैविक कीटनाशक
5. बीज – अंकुरण, परीक्षण, बीज उपचार, बीज भंडारण
6. मृदा परीक्षण – महत्व एवं मिट्टी संग्रह की विधि, किसान कॉल सेंटर

(14 Credits)

इकाई पंचम – ऊर्जा एवं प्रौद्योगिकी :

1. ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा संकट एवं उपयोग के तरीके
2. ग्रामीण क्षेत्रों के लिए ऊर्जा के गैर पारंपरिक स्रोत
3. सौर ऊर्जा के उपयोग – सोलर कुकर, सोलर वाटर हीटर, सोलर लाइटिंग
4. ऊर्जा के स्रोत के रूप में बायोमास – बायोगैस

(12 Credits)

संदर्भ पुस्तकें एवं पत्रिकाएं–

1. डॉ. माथुर पी.एन. : कृषि प्रसार के सिद्धांत, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1986
2. श्रीवास्तव जे.पी. : प्रसारिकी, अमन पब्लिशिंग हाउस, मेरठ
3. शर्मा दुर्गाप्रसाद एवं सिंह उम्मेद : कृषि प्रसार के सिद्धांत, भारती भण्डार, बडौत, मेरठ
4. पालीवाल दिनेश कुमार एवं गंगराडे राकेश : मृदा परीक्षण, के.वी.के., कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
5. कुरूक्षेत्र, प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, पटियाला हाउस, नई दिल्ली।
6. योजना, प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, पटियाला हाउस, नई दिल्ली।

+++++++